सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र:2026-27

कक्षा:7	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ: ४ मेरी माँ

मौखिक

क) राम प्रसाद बिस्मिल जी की माँ ने उनकी आत्मिक एवं सामाजिक उन्नति में सदैव उनके साथ दिया इसलिए वह जन्म जन्मांतर परमात्मा से ऐसी ही माँ मानते हैं।

(ख) बिस्मिल जी को केवल एक तृष्णा है कि एक बार श्रद्धा पूर्वक अपनी माँ के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना ले

(ग) गुरु गोविंद सिंह जी की धर्मपत्नी अपने पुत्रों की मृत्यु का समाचार सुनकर प्रसन्न हुई थी और उन्होंने अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई बाँटी थी।

(घ) लेखक की माता का साधारण और मंगलमय मूर्ति वाला जीवन, देव वाणी में लेखक को उपदेश देना और उनके जीवन का सुधार करना- माँ के जीवन की इन सब बातों ने लेखक पर सार्थक एवं सकारात्मक प्रभाव डाला।

(लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) रामप्रसाद बिस्मिल जी की माता जी ने हिंदी की शिक्षा आसपास की शिक्षित सखी-सहेलियों से ली।

(ख) बिस्मिल जी के लिए उनकी माताजी का सबसे बड़ा आदेश था कि किसी की प्राण हानि नहीं होनी चाहिए।

(ग) बिस्मिल जी की माता जी अपनी मनोहर वाणी में उन्हें उपदेश देती थी। माँ की इन सब बातों का स्मरण करके उनके मंगलमय मूर्ति के आगे बिस्मिल जी का मस्तक झुक जाता है।

(घ) हे जन्मदात्री माँ, मुझे भी ऐसा वर दो की अंतिम समय में भी मेरा हृदय किसी प्रकार विचलित न हो और माँ आपके चरण कमल को प्रणाम करके मैं परमात्मा का स्मरण करता हुआ शरीर त्याग करूँ।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) हाँ आज की पीढ़ी को भी अपनी माता से ऐसे ही प्रेरणा लेनी चाहिए। यदि वह बिस्मिल के आदर्शों पर चलेंगे तो वह अपनी माता को सम्मान भी देंगे और उनके जीवन से प्रेरणा भी लेंगे।

(ख) हम माँ की त्यागमयी प्रेरणा को अपने जीवन में इस प्रकार अपनाना चाहेंगे कि हम आगे की पीढ़ी को भी त्याग और प्रेरणा दे सकें। त्याग के द्वारा देश और जन सेवा करेंगे जिससे और लोग भी हमसे प्रेरित होकर मानवता के रास्ते पर चलें।

(ग) लेखक की माताजी ने डाँटने की बजाय प्रेम पूर्वक समझाने का तरीका इसलिए अपनाया होगा क्योंकि एक छोटा बच्चा डाँट की बजाय प्यार की भाषा को अधिक समझता है। उसको डाँट की भाषा अप्रिय लगती है, जबकि वह प्रेम पूर्वक समझाने की भाषा से प्रभावित होता है और जल्दी ही समझता है।

(घ) हम बिस्मिल जी के इस कथन से पूर्णतः सहमत हैं क्योंकि हर बच्चे के जीवन में उसकी मां का विशेष महत्व होता है। उसके व्यक्तित्व निर्माण में माँ के चरित्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बच्चों के ऊपर माँ का बहुत प्रभाव पड़ता है।

पठित गद्यांश

(क) प्रस्तुत पंक्ति में 'तुमने' सर्वनाम का प्रयोग राम प्रसाद बिस्मिल ने अपनी माँ के लिए किया है।

(ख) रामप्रसाद बिस्मिल की माँ ने राम प्रसाद के तुच्छ जीवन का सुधार किया। उन्होंने प्रेम और दृढ़ता के साथ उनके जीवन का सुधार किया।

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों में वक्ता को जीवन की प्रत्येक घटना का स्मरण है कि किस प्रकार उनकी माँ ने उन्हें अपनी देव वाणी में उपदेश देकर उनके सुधार किया।

(घ) माँ की दया से वक्ता देश सेवा में संलग्न हो सका।